

याद न...
 कय...
 दग नवदाम...
 या...
 अन्वयाहे...
 न...
 व...

eikitsa
 98 New

588 I

८७३ वा. को. म. ता. श.

[illegible]

श्री
५

कमकब्धस कुडधस थदातानामरुदलयु ॥ ॥ स्वसयाविकित्साकाया ॥
मनव यियलि मिवाकिमि मिठिम उ लाहा पुनयाद मानवात्मनर्क थसाव
वरुनयुना ॥ ॥ दनउ वरुनउ यियलि कस्मिनवात्मनर्क थसावरुनयुना ॥
ॐठि गुडगु युक्कलामुल दार्थ्यत्वद थसावरुनयुना ॥ ॥ वातनवनसा द्या
मकाय यिरुनवनसा कस्मिकाय ॥ थनथसावरुनयुना ॥ ॐ ॥ अथराघनवि
वा धयनाविद्याता मीउ४ स्वर्गयुक्कपिता यवनादयनुन अतासुतस्वनवदयुगाता
युविद्या ॥ दन्यध्वनीरुवतिवापिदिषटविधं४म ॥ ॥ तवसननत्वाय विषमंयानरुनत

श्री
५

वसननयउयथ दायारयास थनसकयनयिव रुसआदिन स्वनवरुनयालस
रुसचानिव थरुसन सनमाचकय युगाविधिन वात यिरु ॥ ॐ ॥ अथराघनवि
नरुय मदावदि थयुगास्वनरुद ॥ ॥ धयाविकित्साकाया ॥ ॥ मनवमीसउचन
कहामि३यियलिमी३ठुठिमी३रुनउ३स्यन्ध३मरु३मनथि३नवरु३ठुकम्यालमी३
पुनयादनर्थ सनस्यदयारिनक ॥ ॥ जिनिमीस३स्ववाकल२मनव साखनग
पुनयादकस्मिनवात्मनर्थ सनमदयारिनक ॥ ॥ द्रुउ व कुट यियलि ॐठि
जिनि अऊमाउ ॐठिमिठि स्यध थनसरुगा वरुयाद द्याननवात्मन मीस४

थया विदित्ता ॥ ६८ ॥ उष्ट्रदा ॥ अश्वस्तु ॥ वान ॥ मरु ॥ रत्नकन ॥ नर्म्यत्वनक ॥ व्यास
 नायना ॥ ॥ कथ्युन ॥ जितश्रुत ॥ गवय कंकना ॥ कवठविम्वकवृखयन ॥ लनन
 स्थगुठिविद ॥ द्रुथुमथदगस्थ ॥ यिवा ॥ ना ॥ ॥ हामल ॥ उष्ट्रले ॥ व्यान ॥ सखन ॥
 कफिनवात ॥ गुठिविद ॥ द्रुथुमथस्थ ॥ यिवासना ॥ ॥ कथ्युनर्मस ॥ धिर्यगुम
 स ॥ कवठविम्वकवृमस ॥ कंकला ॥ मग ॥ य ॥ न ॥ र्यका ॥ दामु ॥ ॥ विमि ॥ ॥ स
 ॥ नयि ॥ ॥ स्व ॥ य ॥ ॥ व्यान ॥ कफिनवात ॥ नयिवासना ॥ ॥ श्रुत ॥ व्यासनायया ॥
 ॥ ॥ निविम्वक ॥ उष्ट्रदा ॥ वा ॥ गदामृक ॥ तिसानवा ॥ स्रुवदा ॥ सुना ॥ ठि ॥
 विठिता ॥ स्वनिनादिहि ॥ ॥ गवनदा ॥ ययिसनयन ॥ धन ॥ अच ॥ याद ॥ मकि

निव. मनुष्याया. धन नावहनव. नाठिस. तातययिसनयिव. ॥ श्रयाचिकित्सा
॥ ॥ कनसमन. वियलि. उसनहा. नूयकणु खदु लखननस्य वियनि. ककि
नवाहननकी. मुक्कानाण॥ ॥ मुक्कायिरुतमसूया. नऊयिरुनिनाउमातमावात
कला. नु. निडा. लूयससमूहवा॥ ॥ यिरुमृदिकइनसा. मुक्काइनयिव. दी. यिरु
कह. कयनयनहाव. यिकुनायइनयिव. ॥ लू. नकयनयनसा. नडा. नायइनयिव. ॥ लू
ममृदिकइनकाल. डूउड. थं. इदयिव॥ ॥ समयाचिदि. माझाया॥ ॥ चिकुवन
यवाक. लखसहास्यनस्य. चिकुनायनाण॥ ॥ ठिकगुनिवाल. मन. व. लख
ननस्य. कायउसयाउचस्य. उवझाससथं. यिकुनायनाण॥ ॥ हनउ. कट. वि

पु. ५५

यलि लुठि जिनि अउमाउ ठावापिठि स्यन्धु सलगा द्यनन बालन मस
अन यिकुनायना ॥ ॥ धनं यिकुनायया ॥ ॥ ० ॥ मिठिम् सगया
ल ॥ अनवीज ॥ धनसारवलकादाव ॥ कसिनवालनैक ॥ धनकावठवखा ॥
॥ खकन ॥ यियलि ॥ मस उणहा ॥ रवादुलखननस्यत्वन ॥ यतदयस्यस्याकना
॥ ॥ नकवन्दुन ॥ धीखलुवाल उणहा ॥ दुउसयाद ॥ सिचका ॥ ॥ कट विक
जातिननस्यत्वन ॥ यतदयस्यस्याकना ॥ ॥ ॥ धनयतदयाया ॥ ॥ ० ॥
दायरायिब ॥ कायस ॥ अकस ॥ धयाविकिसाहाय ॥ ॥ गला यियलि ॥ न
मस ॥ यथाकुकुत्वनक ॥ दायरावना ॥ ॥ मनव गुठगुनस्य दलमीवद

अ. ५५

सतिवालकुदुत्वनक ॥ दायरावना ॥ ॥ मनव गुठगुनस्य दलमीवद सति
वालकुदुत्वनक ॥ दायरावना ॥ ॥ धनव काकजावनक ॥ धानसइमसहि
क्राससथद ॥ दायरावलालख ॥ ॥ गुठगुवनमसठठुठिवनमसठ धनकन
कावरास्यत्वनक ॥ दायरावना ॥ ॥ ॥ धनदायरावया ॥ ॥ ० ॥ ॥ तमयुव
॥ लम्हा ॥ दायाथाकदगसत ॥ अयस्मानमिठिरुया ॥ दायाथानिवगुद्विष ॥
स्यनशानि ॥ लुग्वठयाविकाल ॥ उलाथरुल ॥ दायाथाविशना ॥ ॥ अयस्मानयावि
किसा ॥ ॥ रुकदुवन ॥ द्रससथद ॥ अयस्मानना ॥ ॥ जिनिठुठियिलि स
राग ॥ लखननस्यनक ॥ अयस्मानना ॥ ॥ वनकुरुदस्यमनव ॥ द्राससथद

वा न ज्ञा

अयस्मानना॥ ॥ शत अयस्मानया ॥ ० ॥ दिह भूमी निन कानि वृन यित्वा
निघावेनि कनार्ता विविध नद्याधि स्रष्टा के कागली सयात ॥ ॥ नील सवदनया
लेद कर्व ॥ धर्मार्थ रुस द्यायन दंडाव धवायुवन नाना व्याधियार्ग कर्तव्य थर
न ॥ दिसवन थरुन ॥ धवात व्याधियया ॥ ॥ धया विकित्सा द्वाय ॥ ॥ याव अून
लुया मलियु ॥ आदु स दला कयु ॥ सायु ॥ लख रु २ काक दायाव वळिद यर्क कट
वाय ॥ धलख स साक ७ ॥ सायु न ॥ धसा द्वा ससर्थ ६ मर्दन याद वात नाग ना॥
॥ ॥ वनादा ॥ अल लु हा ॥ काचुन तिसि ॥ दामल ॥ उका ॥ मनाधि ॥ म्बठ न नरु
दायर्क ॥ काक हा लर्थ ॥ नयन याद वात नाग ना॥ ॥ ॥ विव्यालि ॥ ७ ॥ ७ ॥ दन उ

गन्ध प्रसादना

यमनि कट स्वट ॥ दिंगु क गाया वळि ॥ काक लख स हास्य ६ मस २ धान वात ना
ग ना॥ ॥ अर्क इ न काय उ वा नाव ॥ यिता ल द न ॥ दामल सान वा लाव ॥ अ
शुन रुस्य ॥ अशुन म नुषा इ न द्वा स्य ॥ वात व व थ य ना चार्म ॥ वात नाग ना॥ ॥
गन्ध प्रसादना मस १० इगु खान दामस १० ऊटा मासी म १० मन चर्म स ७ विव्यालि म ७ स
न्य म ७ नात युषा म ७ ना हा म ७ स न म ७ जिनिर्म ७ यमनिर्म ७ दक जिनिर्म ७ यमनिर्म ७
दक जिनिर्म ७ व क न कु उ ३ धनि ति कु उ त्या १ x इ उ कु उ त्या १ x धत स्व र्बु ६ वात व थ
ना॥ गन्ध प्रसादना गत थ ॥ ॥ धन वात या ॥ ॥ ७ ॥ ० ॥ न क वाग

मन्त्रावली

याधिकिस्तादाय॥ ॥ ध्यानः चकटः भगवत्यर्थद्वयति । मिरकसि । गुठगु । आद
उ । साइइननस्ययाय । नकवातना॥ ॥ ॥ ध्यानमसं वडिया नमसं आठ
मसं अलठमसं कायनिकस्वानमसं गुठगु मसं लेखयामलानकुमलाद
यकं यानदाय । नकवातया॥ ० ॥ निम्बमसं यात्राठवनिमसं दनठमसं व
द्वनठमसं गुठगु मसं आदलमसं दकजिनिमसं मनवमसं लेखयामलानकुमला
दयकं यानदासीत्वन । नकवातना॥ ॥ ॥ उं ननदा केसदा कण्ठानदा कुनदा
दकजिनि । आदल । वकुचि । मसं ३ धनयात्रादासीत्वन । दी नस्यालहिद ॥ धननक

जगदल्लोका

वातया॥ ॥ ॥ ॥ अल्लतगु वसिकषायतिक । मुमाविद्याठा वसनयम
ग । सविक नवगविधानल । दडामययसु विषयुविष्ट ॥ ॥ अतिक्काकनल
आगुयनार्थ । यादु । हाकु । खायु । धननलरायकल । दाया । धयास । मीयसंग
स ॥ अतिविनास । वगनवडास । लंगवठयाद्याधि । दातारुदयसत्रय । पूर्वत्रयस
य ॥ ॥ शयाधिकिस्तादाय॥ ॥ मनव । गुठगु क्काकलेखसहासीत्वन । लंगव
उम्याकना॥ ॥ ॥ नको बाल । केविनिमि । केसगिनि । याषानरुद । द्रुनासाहा
गुठिमनव । सुसु । विद्यालि । दिगु । अल्लुहा । क्काकलेखसहासीत्वन । लंगवठ

स्याक ना॥ ॥ धनं लुं ख उ स्याक या॥ ॐ ॥ ० ॥ आया मती ह्वा व मू ५
 न व म य ॥ प्रमं ग नि प्रे द य क या नात ॥ अ य व म म्मा ॥ व म ना स डी ह्म ॥ स म ग र क र्क
 नि न नी ग न य ॥ ॥ पा य क ल नी व ड ष वि न ल ॥ हा न ल ॥ मी व म ग या दा स ॥ ख
 स डा व व म्मु आ हा ल या ल ॥ हा ॥ आ दि न अ ति न ल ॥ अ डी ह्म ॥ वा न ॥ यि ह्म ॥ अ म्म ॥
 अ नि या न ॥ अ म्म नि ॥ ध न आ ना ॥ अ म्म नि ॥ म्मु क र्क ॥ ॥ ध या वि कि ल्सा ॥ गु ठ
 गु मी स ॥ ली ख द्र स म लान क म ला द य की ॥ गु ठ गु क र्क ॥ का य उ स थ स्य ल व ॥ म्मु क र्क
 ल ना ॥ जा न क म ट व ॥ ० ॥ क स्य दा ॥ कृ ण दा ॥ गी ग सि नि दा ॥ ली ख व ॥ इ ड य ॥ दा

य ॥ ली ख स व की ॥ इ ड क ल न की ल व ॥ म्मु क र्क ल ना ॥ ॥ अ ल लु हा ॥ द न ॥ न म्म य ॥
 द ॥ म्मु क र्क ल ना ॥ ध न म्मु क र्क ल ना ॥ ० ॥ ॥ जा य न य धि न दा षा ॥
 म्मु क र्क ल ना ॥ या य म्मु क र्क वि द्या अ य ॥ वा द ॥ लु नि का द य ॥ ॥ जा य न यि व ॥
 म्मु क र्क ल ना ॥ जि म स न ना ॥ यु का ल का य ल यि व ॥ म्मु क र्क ल ना ॥ म्मु क र्क य ल क र्क ल व ॥
 म्मु क र्क ल ना ॥ इ य द व ॥ वा न कृ थ ली न ग यी ॥ जि म स न ना ॥ ॥ ध या वि कि ल्सा द्वा य ॥
 अ रि न दा ॥ उ म स ख न ना स्य ती स हा स्य ल व ॥ म्मु क र्क ल ना ॥ ॥ म्मु क र्क ल ना ॥
 उ म स ख न ना स्य ती स हा स्य ल व ॥ म्मु क र्क ल ना ॥ ॥ ली म ना उ या नि यु १ ५ अ म्म ल

न म्मु क र्क ल ना ॥

यातीय १५ हामलमसमसविषानयुक्तवन्ध्यायनाम् ॥ धनमृगवन्ध्या ॥ १६ ॥
॥ लुकम्यापयियलि ॥ याषासुहृद ॥ सनमनच ॥ साखन ॥ आदण ॥ अलसु ॥
धनमृगयादनस्य ॥ काण्डास्य ॥ निनाज ॥ नुनहास्य ॥ त्वद ॥ नकमदनाम् ॥
॥ ॥ पिहला ॥ मिचकसि ॥ काखदृहा ॥ मरु ॥ ०० ॥ उजव ॥ विषययन ॥ सहागवन
याद ॥ लखसहास्य ॥ वाजसइइसगव ॥ स्यास्य ॥ त्वद ॥ नकमदनाम् ॥ ॥ निना
जनु ॥ याषासु ॥ नसाऊन ॥ वृगवर्मस ॥ साखनमस ॥ कर्क ॥ टासिमस ॥ यियलि ॥
वसनावन ॥ अम्वन ॥ त्वद ॥ लुकम्याप ॥ नयकमन ॥ कलुगिनियादगव ॥ धा

वनयादकसिनवाल ॥ युवाकसलागीस ॥ स्यास्य ॥ त्वद ॥ नकमदनाम् ॥ ॥ धन
नकमदया ॥ ॥ ॥ उमसखालमसत्या ॥ १५ ॥ साखमसत्या ॥ १५ ॥ दिगुनति ॥ रुटस्यगी
मृश ॥ धनक्यावननवन ॥ लालामदनाम् ॥ ॥ वकसिकव ॥ काण्डास्य ॥ त्वद ॥
उदकमदनाम् ॥ ॥ निम्वती ॥ काण्डास्य ॥ त्वद ॥ सुनामदनाम् ॥ ॥ विनकदा ॥ काण्ड
दास्य ॥ त्वद ॥ सितामदनाम् ॥ ॥ खयन ॥ काण्डास्य ॥ त्वद ॥ सुनामदनाम् ॥ ॥
वाउद्य ॥ अंगुनी ॥ काण्डास्य ॥ त्वद ॥ नवनमदनाम् ॥ ॥ मिचकसि ॥ काण्डास्य
त्वद ॥ मजिइसमदनाम् ॥ ॥ पिहला ॥ दिगुरुल ॥ मिउस ॥ धनकाण्डास्य ॥ त्वद

रुतिमहना॥ ॥ यियलि डिनिठुठि मन्त्र सिधि ॥ हंगु ॥ गुवाकल ॥ यनि
 तीसहासी त्वद ॥ नवनमहना॥ ॥ हदुला हकद ॥ बाल ॥ धनवृलानानस्य
 ॥ ॐ ॥ ० ॥ मिचक सिंका ० दासी त्वद ॥ वागमहना॥ ॥ धनमदनायया ॥
 ॥ ॐ ॥ ० ॥ दायासर्वयमन्दा ॥ सुगला मुदलानिवा ॥ अजीर्ण मलिर्नवा ॥
 जायतमलसर्वयात ॥ ॥ नायसकनदय ॥ अग्निमन्द इन्द्राव ॥ उदयनायवादि ॥ अ
 तिरुय ॥ अजीर्ण याकनान ॥ नयाकमशुभ ॥ मनथकनययानवर्ग्य ॥ उदयलाग ॥ ॥
 भयाविक्रिता ॥ ॥ भगवयथा ॥ टकैनायहा ॥ नसी त्वद ॥ अल्लनायना॥ ॥

चकहा ॥ मुटिकायाद ॥ म्वाचसईथदनक ॥ अल्लनायना॥ ॥ तवकायगुहा ॥
 नागायानामथद ॥ ० ॥ यानसाधियक निरानसगनकनयाव ॥ अल्लनायना॥
 धन अल्लनायया ॥ ॥ ० ॥ मीवयाविक्रिता ॥ ॥ कनातदायाती ॥
 ॥ ० ॥ त्रिकदवननक्षसी त्वद ॥ मीवनायना॥ ॥ जानइइवनकुतव ॥ ॥ कयलि
 कस्वानदाय ॥ कालावनक ॥ हननसीदाय ॥ काककाकहालथलयनयाद ॥ मीव
 नायना॥ ॥ ॥ रयन ॥ उवस्यदासी ॥ काककाकहालथलयनयाद ॥ मीवनाय
 ना॥ ॥ ॥ वड्यालहा ॥ अल्लुहा ॥ साइइननसी लयनयाद ॥ मीवनायना॥ ॥

अल्लनाय

मंजुषा

श्रीगणेशाय नमः

हृक जिनि. ॐॐ युम नि. यियलि. धयगानय. धारिषाठिनवकि. धनमस्यया
मंयनायना. ॥ धनमंयया. ॐॐ. ॥ ० ॥ समंययाविकिनाकाय. ॐॐ
मि. लामयसकादगव. अललुचकनसकादगव. धउअलवदन. बागन. धास
मंयना. ॥ श्रीखलु. वृष्टिमिठि. का०यत्य. उलनदा. इइनमस्य. धनमल
यनयाद. हयस्यपिर्न. धासमंयना. ॥ हकाइ. हरला. यामसखान. सवि
धान. धनकाकलखसकास्यलव. ॐॐ धनमंयना. ॥ धनमंयया. ॥
ॐॐ. ॥ ० ॥ यनमस्ययनदादाव. नसवास. कर्कनामउस्य. लसगिलाहि

श्रीगणेशाय नमः

लाकायकीगा. धनखदंयया. ॥ धयाधन. हनउ. लखननस्ययाया. खनम
धिस. याठयाठयाद. ददववया. ॥ ० ॥ ॥ शायुखानयादा. गललुसकारवाय
कीग. गनलुया. ॥ तायुअयनादिगयादा. साखनवनस्यलवनक. गनलुया. ॥
अकाविकन. गवलंभल. दिनयतिक्काससथद. गनलुना. ॥ शीमनाऊया
हा. ययानकृकृकृ०स्यरयाव. वकृदुगलसकारवायकी. गललुना. ॥ ॥
अनिखानदा. चकनसकालनकी. गललुनिववना. ॥ अका. माहनठि. ॐॐ
०यनंयदा. वृष्टिमिठि. अम्वलमन. कनसमन. मूक. साखन. वनयादावन

गणपति

अथ

स्य गनउना॥ ॥ सगुऊ लला वि उमसखान दकि सिन्धु गललुस
 याय वाय गललुना॥ ॥ दिगदलहन नसीत्वद गललुना॥ ॥
 जिहदल स्वानतीकर्व अर्क इडय लाहानीकर्व रामललसाकठ लखई
 धनसावई क्राससर्वनव थद गललुना॥ ॥ धनगललुया ॥
 ॥ ॥ विउममनव अर्क ठुठि चकन दबदान बुकम्याल उमसखान
 सविमान सन्धु स्ववाकल सनुनिवि धनडासन चकनधननव काकलखस
 हास्यलवन अयदनायना॥ ॥ ननयुऊ ठुठिमिठि दनठि धनगुठगुणी ॥

प्राज्ञ

चकनधननव विदविधायना॥ ॥ गवक्रखगुहा वामिषडिहा उरिनाथ
 उमसगुननसी दायकीयाय गवगवद्यानया मीगस कदुस उमद्रुडिआदिथी
 मनतागकीयाय उरिमखा ॥ ॥ वमयानी द्यालयानी चिकित्साज्ञाय ॥
 हसयानचानकर्व उर्गुनिष्ठि दायकी नासी धनि डासनव मधुनिचकनवना
 यदसी उमनराकनराव वाकस्यय धचकननकवश्चानसथरुन न्यालथ
 रुन नायव धचकनकायउसथासी कटवाय नावयक रुना ॥ यथैषदवचक
 ना ॥ ॥ धविष्णु गवश्चानस हसयानधुनकीनसी द्यानसरुकगुनकीयाय ॥

卷之四

सप्तमः

३५५

विष्णुनाम

लुठि लाहा स्येच चासाखननस्ये दायक्याय स्याकसिकयारिष्या ॥
खरवनहा खयन हक्कजिनि जगत्युष्य चासाखननस्येयाय स्याकसिकया
रिष्या ॥ कनवीनस्वानयाहन स्वहन त्रयकण नस्येयाय स्याकसिक
यारिष्या ॥ जिनि हक्कजिनि यमनि स्रगाग वूनडा गच्छि अनगु ठिचि
हनस्ये ७ लाहीन यतजलकचयादवाहयारिह ॥ ॥ ल्यळा मूमनि वनूल
क्षि अल्लुयु हक्कजिनि हामल साइइननस्येयाय हीन स्याकनाहा ॥
हामल अमल ०० विमिडि इइननस्येयाय रागन नवधनानाहा ॥ ०० रिक्

कृपाचिकित्साह्याया ॥ ०० विमिडि याउमलिहन माहन उध्यान स
राग सावुहयाह ०० रिमककुववनाहा ॥ ॥ गम ०० यनवागियु १० ०० विमिडि
मैसरे याधनकसिमैसरे मिचकसिमैरे हनऊमैरे चकनय १ लखकूउ १ धचकन
नयाह ॥ लिंगककुयाउल्यम ॥ ॥ नसा ऊन लखसचानावयायीनव म
नृथयाकयालकसवानावयायीनव ॥ लिंगककुनाहा ॥ ॥ बटमालहन
नडि चियवयन धस्वनाचूनयाह कलिलेखन थककुसन पुनदाव थव
ननराय रुनीकलिलेखनसत्र ॥ लिंगककुयारिष्यउल्यम ॥ ॥ जिनिस्वा

न॥ कनविनखान॥ जयकिस्वान॥ धसनायाइवाल॥ दिगहल॥ मीस३यमला
 लीखन॥ कुमलादयक॥ दायक॥ धलखनककुसल॥ लिंगककुना॥ ॥
 ग्या०यनीषहामीस३कूटमीस३ लीखयु३चकनअष्टा२धतवृद॥ लिंगककुना॥
 धतलींगककुयाचकन॥ ० ॥ कृष्याविकित्साह्राय॥ ॥ गुउगु॥ दवका
 न॥ नयू॥ माहउठि॥ जका॥ लममृगननस्य॥ नता॥ नयाय॥ दिन॥ धनयासी॥
 कृष्यायना॥ ॥ सूरव॥ यमका॥ मनधि॥ वयल॥ दकजिनि॥ अलमुयू॥
 धतकृष्यायनयनाय॥ चकनवृन॥ ॥ गधक॥ हनिषान॥ वकृचि॥ साहन॥

कृषककुववया

कृषककुववया

सिन्धव॥ द्राकनहा॥ जस॥ मीस३मदागिर्म३ चकनकूड॥ लममृगकूड॥ गुउगुम
 धतवृदयाय॥ कृषककुयाचकन॥ ॥ धतकृष्या॥ ॥ अर्कमीस२नकूचदन
 मीस२ ग्याथयनीखहामीस२ माहनठि२ ॥ वृदिमिठि२ चककहा२ अष्टगन्ध२ चक
 नयु१ लममतीयु० धचकननहासी॥ हाहा२ ककुना॥ ॥ नउ॥ मिचकितसि॥ ह
 नउ॥ जका॥ कूट॥ यी० ॥ सतगुउउ॥ धतधनिनीसहासीवाय॥ वृउ२ राक२ यादव
 वककुना॥ ॥ धतकृषककुया॥ ॥ ० ॥ ॥ ग्यातमानुतसीसता॥ युइयू
 कहुमानुत॥ पिलेवाहसहय॥ नहिनतविषयिती॥ ॥ चिककीरुससरा॥

कयुनवातया

कपूरधन

वागवः लुक्कवक्कयनयावः (थसयिरुननर्दावः यिवनः इवनः थायनयिवः
कवुनवानरुयु॥ ॥ थयाविकित्साद्राय॥ ॥ रुकडिनिर्मसः गुडगुमसः
हसुअमसय यिनिसुनिनर्मसः धनः कवुनवाननागा॥ ॥ ॥
डिनिर्मसः सारवनर्मसः कुकुलियालाउतनस्यः नरात्रसंगनकः युठनथ
नधनकावः गुडिचिदावगनकः यिनिसुनिनः मसः धनः धाडिअसुयिरुनागा॥
॥ ॥ अम्वलः अरुिनहाः साखनः सरागः कस्तिनवालनर्मसः रवदुलेखन
नस्यन॥ असुयिरुनागा॥ ॥ अम्वलः वृद्धिमिडिः साखनः सरागः कस्तिनवा

असुयिरुनागा॥

लनः मसः असुयिरुनागा॥ ॥ गुडगुः हरुलाः निम्वयापाउवतिः साखनः
सरागः कस्तिनवालनः मसः असुयिरुनागा॥ ॥ गुडगुः हरुलाः निम्वया
पाउवतिः साखनः सरागः कस्तिनवालनकः असुयिरुनागा॥ ॥ यापाउ
वतिः गुडिः मसः रवानः यिव्यलिः लंवननस्यलवः असुयिरुनागा॥ ॥
धनः असुयिरुनागा॥ ॥ ॥ समसुवागयाविकित्साद्राय॥ ॥ हरुलाः डि
निः यिव्यलिः अदकः सरागः उसननवकिः साखनवकिः नर्मसः चूनयाडा
वीतवः कस्तिनवालवीतवः कलननागा॥ ॥ डिनिर्मसः मवचर्मसः रुनउड

नगदमहिनामा
८३

रहलाम ३ अदलम ३ का ० य ल्य १ ह न उ १ विद्य ली १ साखन ३ कस्तिनवाली नम २
कललनमानस्याल लं व उ म किल हिं ग्या ॥ धन कललया ॥ ० ॥ मन
च विद्यलि साखन गे उ ल स वृ ग व क न स या दू त व सि उ ल खे ला स का च की
लीखन काचकी लीखन काचकी लीखन काचकी लीखन काचकी लीखन काचकी लीखन काचकी
व इ श्व कायत विलय सक भू या सु द्वा रू व वि ल य नात ॥ वि या दू या ल
लूम धन आदि सवल या इ ४ खनन कयन पिव विनय भया ककु क सता सया
कनय व्यायनया ॥ धया वि कित्ता द्या य ॥ ॥ गु उ गु अखल माहन डि गु उ गु

म
७
यपककुनामा

वृषान सि स्य नून न सी वाय दा इ क कु ना ॥ ॥ हास कृ ० ० वि मि डि ० लीख
नन सी लयन या द का द वाय वाय क कु ना ॥ ॥ सद ला क क व र सि नून क र्प १
साय १ सायून सि नून हा क न दा व वा क स्य य वाल उ र्थ २ माल धक्क नन का
क कु नी ना ॥ ॥ क न र्थ उ टा मा सि धन ता उ लि क थ च न या द धन न वाल
चा स द्रिया व न व र हा टा या द व व क कु ना ॥ ॥ हा सा रा सि क व सत माहन डि
मधु निस्वान वनी ग म ह न सता ग लीखन न सी धन न या द न व र हा टा या द
क्रि द या व नाग ना सी चय म य भव क कु ना ॥ ॥ मधु निस्वान वनी ग म क व
विभा =

वातक्षुब्धनाडि

मंसकस्तिनवाल्ननर्कवातयिर्हना॥ ॥ वात उष्णवहा साहन ॥ वातखलु
 वृद्धिमिति गुठगु आदना ॥ कृतायादार्थसाखल कस्तिनवाल्ननर्कवातयिर्ह
 ना॥ ॥ थुतवातयिर्हया ॥ < ० ० > ॥ वातयावक्षुब्धयाव ॥ नताललदतदा
 व ॥ वातक्षुब्धनाडिभय ॥ ॥ वातक्षुब्धनिजन ॥ ॥ गमिर्हयव नारदा ॥ नि
 दाहमेवमय ॥ निनाग्रयुतीस्याय ॥ काणस्य दायवर्हनी ॥ सतायामधवगध ॥ वातक्षु
 ष्मन्नकृति ॥ ॥ द्रासकृधु ॥ मिखानलाठ ॥ रव्विहाय ॥ द्विहाय ॥ अठिआभिम्या
 संजं जलिला केसमनालसनिचैः सा मला म न मेध्या नंद प्रयि आ
 कल कोत म प ना ग वा ल ल वि ला ज्ञः प्र न ल ल व ल रा यि

यु क्रीयाउ मानस्याक ॥ द्रासकृधु ॥ वनतिहाय ॥ द्रववगतव वातक्षुब्धया
 लंकलधुत ॥ ॥ वातक्षुब्धयाचिकित्सा ॥ ॥ डिगहाल ॥ शुक्म्याल ॥ जिनि ॥ रु
 कडिनि ॥ इलालम् ॥ नर्वलाच ॥ यक्कलामूल ॥ सराग ॥ कस्तिनवाल्ननर्कवातक्षु
 ष्मना॥ ॥ इलालम् ॥ यक्कलामूल ॥ कर्कजसि ॥ हकड ॥ धुतसराग ॥ कस्तिन
 वालनर्क ॥ वातक्षुब्धना॥ ॥ तालिस ॥ यक्कलामूल ॥ कर्कजसि ॥ शुठि ॥ विसना
 वन ॥ नवदलाच ॥ यातक ॥ शुक्म्याल ॥ कृठ सराग ॥ कस्तिनवाल्ननर्कवातक्षुब्धना
 वातक्षुब्धयाचिकित्सा ॥

वि. ग. श्रु. म. ना. ७

॥॥ ॥यूक्लामूलं वृन्दुजवरुका नर्वत्वाच वीसत्रावन शुक्रम्याने कस्मिनवा
लनर्क वातश्रुमना॥ ॥धृतवातश्रुमया॥ ० ॥यिर्हयानीश्रुमयानी
नगालकृमदतद्वय यिर्हश्रुमनाठिविद्रुस्यय॥ ॥यिर्हश्रुमनिजिन॥लिकातिका
स्यातनुा माहकासात्रचिह्वा मद्रुताद्रामद्रुताणात यिर्हश्रुमद्रुनाकृति॥ ॥
कृथुसखाठानयलाथदनिव द्वाहातवानिव सत्र रूयिव मासाकदव नृचि
मय व्यासवाय उमुनीविदिनवनिव उमुनीरुमसमभयव यिर्हश्रुमयाविद्रु

यितश्रुमयाविकिसा

धृत॥ ॥यिर्हश्रुमयाविकिसा॥ ॥उरुलउसनहा मम इलालम् धृत
का०दासीत्वाद यिर्हश्रुमना॥ ॥मरु खकन वाच उश्रुहा नकचंद
न शुठि धृतका०दासीत्वाद यिर्हश्रुमना॥ ॥अतिनिहा शुक्रम्याने
वत्सत्रावन नर्वत्वाच सरागसारवानवक्ति दिनयुतिमिह भय कस्मिनवा
लनर्क यिर्हश्रुमना॥ ॥नवद शुक्रम्याने यातक धृतनवक्ति सारवानव
क्ति कस्मिनवालनर्क यिर्हश्रुमना॥ धृतयिर्हश्रुमया॥ १८०००० ॥नावति

वे. वे. ग. क. वे. ग. क. य

विद्यापतिभजन ॥

रुनवरुका गमलमिनिधातन ॥ कदाचित्तमलुगमना कचित्तवगववादिना ॥ रि
दाषक्यकाश्या रुनितरुनविद्यता ॥ ॥ नावा रिता वरुवमर्थ नाडि
सनिव खकिर्न साहानवनिव खकिर्न वगनसनिव उमुनखनमदयिव
रिदाषक्यनययानाडिवद्रुस्यया ॥ ॥ रिदाषयानिदान ॥ ॥ निनसात्राथन
रुया निदानासाहडिस्तथा स्यदमफुयुनखानी विनादर्शन मल्यस ॥ रुसत्तना
गगानी युतर्बलुकुजनी काथानी स्यावनकानी मलुलानीचदर्शन ॥ मृकत्तसकसी

याक गुनतामदलस्यरा विनायाकक्षदावाली गनिधातद्रुनाकति ॥ ॥ माउ
सनाकेव व्यासराय द्रुतमइ लुम्बउस्याक चनतिदाय वाजुदिकराय ॥ ज
तिद्रुगाव कलुसरुउ २ सिनिववरस्य द्वादसीचाक २ कथाखनदय ॥ उउरुसम
निव द्रुथुस द्वादस ककुवयव व्यतप्यातय दावनताननि विरायधनया
वरुयव नायगामदस्येचानिव धतलनिधायात्रयाविद्रुस्यया ॥ ॥ थनरुिदा
षयाचिकित्साकाया ॥ यिवनादि रिक्कद्रुदकजिलि इलालम कर्कषासिसला

रिदाषयाचिकित्सा ॥

गकस्मिन्वालनर्क रिदायना॥ ॥यियनि नर्वत्वाच वत्सनाचन ॥ शुक्रम्या
 नसाधन द्यनव स्मिन्वालनर्क रिदायना॥ ॥यश्चरुडलदध॥ ॥
 नवद मनच यियनि इलालम्क य्मकलामल साखल समराग कस्मिन्वा
 लनर्क रिदायना॥ ॥सत्यनर्वगादिध॥ ॥नवद कंकना जतिक्कस य
 तक नृयकलन यल्यकलन का०यल्य नर्वत्वाच ॥ शुक्रम्या न रिक्कद् वान
 श्रीगुनि ॥ साखन क तायास्यनर्क ३२ वत्सनाचन यिय ४ कस्मिन्वालनर्क रिदायना॥

यश्चरुडलदध

म.पु.नर्वगादिध

म.पु.नर्वगादिध॥ ॥नवद कंकना साखल वत्सनाचन नवदत्वाच ॥ शुक्र
 म्या न यातक नृयकलन हकद् उरुल जिनि हकजिनि यिमनि यल्यकलन ॥
 हकद् उरुल जिनि हकजिनि यिमनि ययकलन ॥ श्रीगुनि ॥ गनायदा ॥
 व्यान जगमासि वान कयून उलनदा जितरान रिमना ॥ साखन कस्मिन्
 वलनर्क रिदायना॥ वृहत्तनर्वगादिध गनथ ॥ रिदायद नादिक्का काणयिनस ॥ रुषू
 चदिक्का हृदयगल गट्ठ ॥ मक्कयिनाया उमदा रुवयथ ॥ वनार्थ गुत्मादलमग्निवदनी ॥

वृहत्तनर्वगादिध गनथ

त्रिदायमाचक ॥ हिकमाचक ॥ द्वासरुत २ ॥ व्यास ॥ हिक ॥ माचक ॥ द्वासरुत २ ॥ व्यास ॥
 स ॥ हिक ॥ लुग्वउस्याक ॥ गलसविउलय ॥ लुग्वउमकिव ॥ नाधद ॥ हया ॥ तुक ॥ ककु ॥
 गुलादल ॥ धनमाचक ॥ अग्निवर्धनयाक ॥ युष्मद्ययस ॥ धुआसनननसा ॥ साकयद
 नाय ॥ स्वस्तुनसा ॥ युष्मद्ययस ॥ सुखरुयुष्मद्य ॥ जविलाकनद्वामीगया ॥ ० ॥
 धनत्रिदायया ॥ ० ॥ ॥ आगनुकस ॥ त्रिदाययार्थ ॥ नानातावनसन्निव ॥ दावतनाति
 स्याया ॥ ० ॥ ॥ धनलिजिद्वानिदानकाय ॥ ॥ जिद्वायीजवनस्यस्या ॥ इतितामा

जिद्वानिदानयानाति ॥

नृताधिक ॥ नकास्यामारवयिर्ह ॥ करुसुताडवाघना ॥ ॥ मसानदास्य ॥ कावयु ॥
 स्यायु ॥ तागायायु ॥ वाताधिकया ॥ ॥ रुदनवनिव ॥ वचयिव ॥ विर्हाधिकया ॥ ॥
 माउतायु ॥ जलदायु ॥ धुष्माधिकया ॥ ॥ रुष्माधुष्मागतिका ॥ गन्नियाताधिक
 मुस ॥ मिश्रितमिश्रिताह्वया ॥ निवृत्तकृत्तजिता ॥ ॥ मद्राकयु ॥ गनिव ॥ कृतानी लक
 लयकमदयु ॥ गन्नियातयालकृत्तस्यया ॥ ० ॥ धनलिमूर्तलकृत्तकाय ॥ वातयुयलु
 लम्पु ॥ सरुलीकरुनागिनी ॥ नकतल्लुवयिर्ह ॥ मिश्रितर्दुदुहवत ॥ ॥ वातया

मृगयानकलकाय ॥

वातायुः पितृयायुः क्षुब्धयायुः नडायुः ईदृया नतानतालक मद्युः ॥
 भान्नियातयावादाकः मण्डलुनधनः ॥ १०० ॥ ० ॥ नक्रयनधमनिः स्वभाव
 वतिरवगः कामकुक्षवगवतिः कीनारिंकारयायुता ॥ ॥ नक्रयनयनदाव
 कदावः नाडियगनसनिवः चिन्तास ग्यल कीननसनिव ॥ ० ॥ रतालीषगमइव
 तमः हास्यनादनकम्यनी कामः कारयादायिः कायपिरुग्यामलात ॥ रतालीषग
 कयक्तिः रतसामान्यलकनी ॥ ॥ रतालीषगनक्रनक्रनउदगः दुलययुः खयुः

क्रतुयुः स्वर्गनक्षत्राणां स्य ॥ ॥ अथिवाथिवावदतिथिमतिः सास्त्रताया
 ननासिनी ॥ अतिश्रीः सास्त्रतायाः जीविर्नदनिर्गमयत ॥ ॥ नातिवावावयिव
 धगनुमिव ॥ अतिजीनशयुवः रश्मदयुः धनशुनदावः धनागाम्वायमदा ॥ ॥
 ॥ ॥ अलिखनिदानकाय ॥ इनाक्षवदमूर्त्तः तीगतावचवानक्षत्र ॥ आमक्षनस्य
 लिगमनिः नदयातुहरेष्वर्च ॥ ॥ नमजिवः अतिगदिविः वाज्यानराकः द
 सिध्यगनिवः अमाक्षनवदः आमक्षनवदः दावः वयनवासनयायममाना

ॐ ह्रीं क्लीं नमः॥

आसमया॥

मन्त्रकमजिना॥ ० ॥ असासुर्वा न विच्छिदि॥ हृष्टातिमानविगृहा॥ दिक्काका
गहदन्त्र॥ कनस्यायडबाद॥ ॥ असावयिव॥ लुम्बुमकिद॥ नमयव॥ धनवव॥
यासवाव॥ कदव॥ दिक्॥ मासाकवव॥ कस्याक॥ थयड॥ कनयाउयडवधाय॥ द
भउयडव॥ धनववदाव॥ म्वायमदा॥ ॥ आलम्बाविषमाडव॥ यस्यवाड्ययशिशि
क॥ क्रीलस्यवातिनूकस्य॥ गहिनायस्यहकिर्न॥ ॥ नकसविषमकनवव॥ नरम
हिद॥ क्रीलस्यय॥ नूविमदा॥ गमीनकनववदावम्वायमदा॥ ० ॥ अथवा

नयिर्न॥ असा॥ कयनय॥ अग्निमन्दरुयिव॥ धनथवकनवनिव॥ मरुदाय॥ व्या
गप्यागु॥ तातावव॥ यिक॥ ननरुसयद॥ मउरुहिनिव॥ अडिर्ह्यालकलथ॥
॥ ॥ लखनुक्किलव॥ यकिनल॥ झिउनमरुल॥ धनसयकगायकालईविस्मि॥ अ
डीलरुयिव॥ ड्वायिव॥ लुम्बुमकिनिव॥ मकलथमरुयिव॥ यतस्यायीयव॥
याततातावयिव॥ यातकदलसवददयिव॥ कस्यायीव॥ धनवाडुलुनथवकन
वैमस्यया॥ ॥ रुयय॥ यिक॥ यिवासकय॥ लुम्बुमसिनसर्नरुस्यमकिनिव॥

आसमया॥

धनका नवदया ॥

धनका

नानाप्रकाशनस्य यः धनका नयादः वनतिहायिवः तावन्नायः धनयिर्दलुन
धनकनवमस्यया ॥ २ ॥ नायिर्दलुनयुवः द्वायः लीखतयथा ॥ आहुसुनर
हास्यमकिनिवः उकिलितयिवः यिकयिवः धनक्षुब्धदलुनयवकनवदस्यया ॥ ३ ॥
धनकादास्यवदवः असा ॥ उदिमदलुस्यया ॥ ॥ कृथसिवययिवः सुनरहास्य
मकिनिवः द्वाकमजकमिखाईइवनिवः गायः लाहातसखनिगनिवः सनर्थम
थनिवः साहातः अक्षश्रयिदार्कः गालतयिवः धर्षिभनागिशवहावः सायमदा

यिर्द मायुवान

स्यया ॥ ॥ धुयाउयवाल ॥ ॥ हिदः शुंठिस्ययूः वूनयादनकीः वाताधिक
नथवः कनवमस्यया ॥ ॥ हिः यियलिः खवाकलः चतकः यिमनिः धनवूनयान ॥
लीखसहास्यत्वनकः धनिहिसहास्यतवः वाताधिकालअतिसानदवः ॥ ॥ अला
कनस्यमनः जिनिः खवाकलः सहागवूनयादः कलिनवालनकीः यिर्दलुनिसान
वमननागा ॥ ॥ धनयिर्दयायुवाल ॥ ॥ क्षुब्धया द्वायः ॥ हकः अजमाउः स्य
न्यः यिमनिः चतकः हिंशुः धनवूनयादः ककलीखसहास्यत्वनकः क्षुब्धातिसानव
क्षुब्धया द्वायः ॥

मनना॥ ॥ दिगु वरियनि ३० ॥ ४ यिमनि ॥ हनउ ॥ उचक ॥ कूठ ॥ थग
अनरागन ॥ वरुयाद धनितिसनव ॥ काक लेखसीनव ॥ दासी खद ॥ ८८ ॥ आतिमान
दव ॥ वातवीस ॥ यातशाखाव ॥ रुद्रलय ॥ अनयजव ॥ समन ॥ धीधनसीलिंद ॥ अग्नि
मुखथ ॥ ॥ हनउ ॥ ठीठियनि ॥ कनउ ॥ ३ ॥ धानचक ॥ सताग ॥ धननवकि ॥ सक
लतानवकि ॥ नमस ॥ धान ॥ यातस्याल ॥ नकिनल ॥ जीरुयाक ॥ वदवा मुखवरु ॥ थ
॥ ॥ धाताया ॥ मरु ॥ गुठ ॥ मलय ॥ धनवृत्तव ॥ ॥ धनय ॥ यचक ॥ ॥ चला

धनवृत्तव ॥ ॥ कूरकस ॥ जातिकस ॥ कलुनि ॥ धनवृत्तधनयासनायया ॥ ॥
यियनि ॥ अनागसासखि ॥ कायावगनकीन ॥ धनसतागयादाव ॥ लेखसदासीखन ॥
यातस्यायनव ॥ याउवसि काखायनव ॥ यातस्यालकडलरिग्व ॥ ॥ गीजी धनिस
न सन्ध ॥ अजमाउ मनव ॥ यियनि ॥ ॥ ठीठियान हनउ ॥ गुलाउ मरु ॥ सादन अम
लय ॥ वालाउ चक सतागवरु ॥ धनितिसदासीन ॥ आमातिसान गदली ॥ नकाति
सान ॥ अग्निमन्द ॥ यातस्यान रिग्व ॥ वदतगीजीवरु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ धनलिकालहान
वृहगगीजीवृधु ॥

कालज्ञानयानिदान॥

क्राया॥ ॥निसादाहारवयस्य॥ दिवाहितश्च जायत॥ करुद्वितकलुस्य॥ तस्यम
रुहविषयति॥ ॥नागिसदमदमधस्यदय॥ दिनसचिक॥ खदु॥ कलुसस्युपिउलेयु॥
थार्थिगनागामरुहयु॥ १ ॥अनिलायाश्चयिषु॥ विरुयानिकरुगटद॥ करु
स्यकलुमाष्टय॥ इन्द्रतस्यजीवार्त॥ ॥वार्त॥ यिरु॥ अमन॥ कलुसयिउल
यैवानदाव॥ धनागाम्नायइन्द्र॥ २ ॥हउयश्च॥ तथानासा॥ यावियादाव॥ गानर्त
मिषसायारुवतयस्य॥ तस्यमरुहविषयति॥ ॥लु॥ उनी॥ द्वासनी॥ लानी॥ ख
नशा॥ नभा॥ र्व॥ धा॥ यनभा॥ ध॥ मा॥ यनभा॥ र्सी॥ घा॥ य

दयु॥ माउइक्रका॥ दाववानदाव॥ धनागामरुहयु॥ ३ ॥रुका॥ नगा॥ तलायस्य॥ रु
कालअग्निसनिरु॥ ४ ॥महादाहारवतयस्य॥ तस्यमरुहविषयति॥ ॥धमसु॥ कालख
दु॥ रुका॥ लमि॥ थि॥ क्रक॥ क्रुदुदुदु॥ दमस्यैवानदाव॥ धनागी॥ म्वावकमजिद॥ ५ ॥
वनस्यदारुवतयस्य॥ मुख॥ धमस्युवर्तु॥ अयु॥ ना॥ डि॥ अ॥ ना॥ वा॥ रु॥ मा॥ यिका॥ ला॥ वि॥ ला॥ कि
ठा॥ ॥वन॥ व॥ या॥ व॥ कु॥ त॥ र्थ॥ च॥ न॥ ति॥ दा॥ व॥ कु॥ थु॥ न॥ धम॥ स॥ व॥ रु॥ न॥ र्थ॥ ना॥ डि॥ द॥ ल॥ ल॥ र्व॥
नक॥ सी॥ ख॥ द॥ सी॥ अ॥ ना॥ वा॥ रु॥ इ॥ न॥ दा॥ व॥ धनागामरुहयु॥ ६ ॥गा॥ न॥ ल॥ या॥ लि॥ या॥ दा॥

च. शागलनालिमकुली ॥ ननस्तयाकवगयस्य ॥ नस्यमरुहविष्मति ॥ ॥ ७ ॥ लानी
 नालिनीरवदु. माउरुक्रकादावचानदाव. धनागामरुहसुया ॥ ८ ॥ अलुन्धतिरु
 वजीका. धननासायमुद्योत. रवमध्वयदह्या. तालकामारुमकुली ॥ ॥
 थवम. द्वापचा. मिसनगुडियादति. धनधनमरुहदाव. सियु ॥ ९ ॥ जिह्वाक
 श्वरुवतयस्य ॥ मुखकुंक्रममानुर्ल. वृन्दिवनकयजस्य ॥ नस्यमरुहविष्मति ॥ ॥
 ग्वननागायामहाकय. रवनकुंक्रमनजिक. थ. वृन्दिदाकयातजमदय. धना

गा. साचकमजिव ॥ ८ ॥ कलुनियिग्रजस्य. वाताआहानवचन. आहानादु
 नवस्य ॥ सवर्षलविनस्यति ॥ ॥ नालिसयिउलर्य. वातन. आहानलवचनयागद
 व. अन्नवाकमशनदाव. दंकिनहामरुहसुया ॥ ९ ॥ धनावेदुममर्चव. यति
 गाचमहितल. सकाहाजायतमरु. कालहानवृत्ताधित ॥ ॥ निरुहनस. लुष
 रुटिथशन. धनायुमालीथशन. रवसुकखनदाव. क्रसकनहामरुहसुया ॥ १० ॥
 ननीनगायविनिशुकी. नृषनश्चविरुषल. धर्मिमास्यनसायान. धनियकनमानयत ॥
 ॥ ॥ कननमयुल. ननीनविकु. नृषयादवनदाव. धलानहासियु ॥ ११ ॥

लिख्यानिदान॥

लिख्यानिदान

॥ ॐ ॥ ० ॥ धनलिख्यानिदानद्राया॥ साम्यदिविरुवजस्य ॥ अतावकातर्ध
वचनमुत्तमनिरुयस्य ॥ सायिसाभनर्गस्य ॥ ॥ मिखातिगात् ॥ अतावदनाधि
दृढरुताल ॥ द्रायावचनताकजताल ॥ अयामविकालमइताल ॥ धनागासा ॥ यय ॥
॥ १ ॥ यातियादीरुवउष्टु ॥ द्रायस्यतलसर्गन ॥ जिक्काकामलतायाकि ॥ सनागा
नविनस्यति ॥ ॥ ७ लो ॥ लम् ॥ द्रयातवर्गमदा ॥ मसानदास्येनायु ॥ धनागाम
सिक ॥ २ ॥ निद्रासाम्यरुवयस्य ॥ नीलीउर्गमनथान ॥ ० ॥ द्रियानिपुसन्नानि ॥ सना
गानविनस्यति ॥ ॥ वाक्कउड ॥ नीलीमनन ॥ ० ॥ द्रिसमसिगजदव ॥ थथइतान

धनागासियमरुता ॥ ३ ॥ स्यदहीनाकलजस्य ॥ नासा ॥ अस्युवर्कनक ॥ स्थयिक
रुहीनस्य ॥ सनागानविनस्यति ॥ ॥ द्रनस ॥ चनतिमदान ॥ ॥ असद्रासुनवदनव
॥ ॥ असनक ॥ सयीजामइ ॥ धनागिसियमरुता ॥ ४ ॥ चतन्यसकलीयस्य ॥ गन्ध ॥ अस
रुटिरुवत ॥ केलायनिकक ॥ सजीवनाग ॥ स्य ॥ ॥ चतना ॥ आदिन ॥ गन्ध ॥ अस
द्वयकनयरुताल ॥ क ॥ स ॥ थवकलानेवदनयताल ॥ धनागिमसिक ॥ ५ ॥ नावर्ग
रुवजवाक् ॥ स्वस्यालेयनवुच ॥ ॥ हिलेयारुवगयस्य ॥ सजीवनाग ॥ स्य ॥ ॥
उसनसनायववन ॥ अत्य ॥ अन्नलेयनमयाक ॥ धनइताल ॥ धनागासियमरुता ॥ ६ ॥
कालेनानिदिमरिदिभुतागुत ॥

धृतलिख्यानिदाना ॥ ० ॥ ॐ तिकास्तान्गुरुगुरु ॥ ॐ ॥ ॥ विषमद्वय
 निदानद्वय ॥ ॥ निर्णयगतगयावाता ॥ यिर्लदकादिकामर्ग ॥ ॥ शुष्मधिकरणीयसा ॥
 अनियातचतुर्थक ॥ ॥ वातनववचिक ॥ द्विथकवयिव ॥ यिर्लनववचिक ॥ कद्रु
 कनवयिव ॥ प्यद्रुसववचिक ॥ अनियातिकषाय ॥ ॥ यिर्ल ॥ शुष्मतिकषादि ॥ पृष्ठा
 वातकक्षमर्क ॥ वातयिर्लनिपाद्यदि ॥ एविषस्यारणीयक ॥ ॥ यिर्ल ॥ शुष्मन ॥ एक
 सामसन्धिस्यादवयिव ॥ वातयिर्लन ॥ माउस्यादवयिव ॥ अनियातन ॥ स्वतिस्यादवयिव ॥
 चिक्रनाययातिकित्सा ॥ ॥ गुरुकस्यानर्म ॥ ३ ॥ जिलिमनयियनिर्म ॥ ३ ॥ रुकजिनिर्म ॥ का
 चिक्रनायया निदान ॥

लवासमी सञ्जनयकलनमस ॥ सारवनमस ३२ नदिनयुतिमस २ ठिवागुनद्वचिकुना
 ॥ ॥ दृष्टुल्यनहा ननमथियक ॥ ८२ ॥ कुमानिकानमिनिखासवसी दिनगुका
 ननद्वचिकुना ॥ ॥ तवक्वयगुहा कुमानिकाद्रसगुन ॥ मिनिखासवसी ॥ दि
 नगुका ननसववनी स्वद्रसववनी चिकुनागना ॥ ॥ दनउ वदनउ ॥ वासिष
 ठि ॥ वृक्षयाद ॥ कसिनवालनकी चिकुनागना ॥ ॥ ठिहलावृक्ष कसिनवालन
 की ॥ चिकुनागना ॥ ॥ शुक्रम्यानलगनवद ॥ यियनि ४ थुदाक्रयाचातागठ काल
 वास ॥ लेखनमसी ॥ गुठिकादयक ॥ नदिनयुतिकसिनवाल चिकुनाययाउमखथ ॥ ॥
 चिकुनाययाविकित्ता ॥

ॐ अॐ ह्रीं विनदं हृत्स्वाहा॥ धूमस्तुत॥ ग्वनसचासीनक॥ विकृना॥ ० ॥ ॐ अॐ
 नरुददव अॐ तसक्त वायदं स्वाहा॥ धूमस्तुतककाय॥ ० ॥ अॐ तसक्त लीनक॥
 मत्स्यमत्स्यमृदुमृदुनसक्तदामस्तुतकन्द॥ मानुतनातिसानयत॥ ॥ हृदनवर्ग॥ वि
 यानजाव॥ चकतमनाक॥ विरायविराय॥ ३ ॥ २ निकासव आदृष्टदव॥ यानस्याक॥ सव
 ददव॥ धनवातनशुवयतनागमयया॥ १ ॥ विरुनशुवयतया॥ अया आदृ॥ हीकदव॥
 यिवाप्त॥ लीग्वउमक्तिद॥ हया॥ अयाकनशुव॥ अयासक्तकुवयिरुव॥ २ ॥ गाय॥
 बालू॥ अदिक॥ स्वावजल॥ ३ ॥ अॐ नशुवया॥ स्वादृ॥ विमर्ककठियाक॥ ३ ॥ वना

हमदमीसनि॥ सहै॥ सर्वत्रयिनी॥ कृष्णसा॥ धर्मतीसानी॥ विद्यादायगुयाह्वी॥ ॥ राया
दाक॥ थ॥ नामनाति॥ थ॥ सवत्रयदयक॥ थ॥ थ॥ कनाय॥ विद्याधनजायनयस्यय॥
भनात्रयाकस्तुन॥ रव्यास॥ मनस्येकन॥ लूमरुविईव्यरकास॥ अमिकयनयाव॥
यतसवदाव॥ दिकारयात॥ कादय॥ गुह्य॥ थ॥ दनक॥ हाक॥ आदु॥ यिनुवव॥ दयक
थ॥ साका॥ शिमानभय॥ ॥ अतिमानयाविकित्ता॥ ॥ हिंदीम॥ ॥ ३०३
कमान॥ ३॥ कलखस॥ दासीतान॥ मीस॥ अग्निमन्दस॥ अतिमानसलिव्य॥ ॥ कस्ति
धनकव॥ ॥ ०॥ मिडि॥ रुचकन॥ धनिस्वान॥ युवाकसलातीसनस्य॥ कस्ति॥ ॥ ०॥ त्वन
अतिमानयाविकित्ता

५४ क० यत्तत्रायनाष्टा॥ ॥ चतक स्ववाकल बाल० यियनि वक्ति सुदालुं स्वसहास्यै स्व
 नर्क यत्तत्रायनाष्टा॥ ॥ सादन कितरुल नवद सलग क्वाकलीखसस्यै स्वनर्क
 यत्तत्रायनाष्टा॥ ॥ स्ववाकल दनउ मनच यियनि हुंठि अग्निमस दिग्गु सलग
 क्वाकलीखसस्यै स्वनर्क यत्तत्रायनाष्टा॥ ॥ कदलवान भसधनिनवनिनवालनर्क
 यत्तत्रायनाष्टा॥ - ॥ वदसिक्व अम्वनय० स्यन्ध० भसधनिनवनिनवालनर्क यत्त
 त्रायनाष्टा॥ ॥ अम्वय नसा ३ न० हुंठुजव वान० धनिस्वान० कदक अग्निमस स
 म् वाउर्य हुंठि० युवाक सनातीसमस्यै मस ३ स्वन यत्तत्रायनाष्टा॥ ॥ हुंठि० वि

५५ यनिश्मनच० अग्निमस ३ दिग्गु० व० दनउ० वनयाद वीतव० धनितीसहास्यै स्वन यत्त
 त्रायनाष्टा॥ ॥ धनयत्तत्रायनाष्टा॥ ॥ ॥ अग्याविकित्सा द्वाया० यनक ३
 नयक ३ साखन भसधनिनवनि० कस्तिनवालनर्क० अग्नयनाष्टा॥ ॥ उमनदा
 मस ३ वानम ३ मस ३ सादन ३ धनिस्वान ३ हुंठुवाउ ३ युवाक सनातीसहास्यै स्वद दि
 खदयक अग्ननाष्टा॥ ॥ गायवुन० यनक ३ इहास्यै स्वद अग्ननाष्टा॥ ॥ क
 ० सादन० कलुव सावसराग० धसामार्गसगन० अग्ननाष्टा॥ कटन॥ ॥
 खिरुमल० सादनउिव० साधून० धसानगल० अग्न० अयामस्वकनाष्टा॥ ॥
 अस्याविकित्सा

धनं भूयया ॥ ॐ ॥ ॥ मस्तुग्निदीप्तं दुष्पु ॥ नाडिमस्तुग्निस्तारवतः ॥ अष्ट
 वृक्षस्तारवकासाः ॥ दुर्विषामागलियसि ॥ ॥ अग्निमस्तुग्निस्तारवतः ॥ नाडिमस्तुया
 ॥ सात्राहनेनैतिव ॥ दिवावयानाडि ॥ कदाच ॥ प्यातस्य ॥ वग्ननसनिव ॥ दिकाअ
 ग्निरुनदाव ॥ ॥ सुखितस्यसि नारूया ॥ गदावगवतिहिना ॥ चयनाकुषितस्यस्या
 हकस्यवदतिहिला ॥ ॥ भनीलसुखरुवया ॥ नाडिहिननसनिव ॥ कुक्षनयाउल
 ययानाडि ॥ वास्यसनिव ॥ अन्ननयाव ॥ हयरुवया ॥ थिननाडिवहनयिव ॥ ॥
 मन्दाग्निः ॥ तिह्वाग्निः ॥ विषमाग्निः ॥ समाग्निः ॥ ध्ययगाविधिः ॥ ॥ वातया ॥ मन्दाग्निः ॥ यिह्

अग्निः

यातिह्वाग्निः ॥ धूमययाविषमाग्निः ॥ ॥ अजीर्णयाचिकित्साद्राय ॥ ॥ एकद्व ॥ जिनि
 यमनि ॥ स्यन् ॥ साराग ॥ दिगुक्कता ॥ अर्द्धराग ॥ वृक्षयाद ॥ याननवावाल ॥ ककड
 सथुद ॥ वृथमकवलसनस्य ॥ अजीर्णनाग ॥ थुतासनयानामः ॥ दिग्बसक ॥ दिगु ॥ स्य
 यमनि ॥ नका ॥ साराग ॥ वृक्षयाद ॥ नरास ॥ अजीर्णनाग ॥ ॥ दक्षुत्यनरा ॥ अयामा
 मीरा ॥ सारु ॥ अन्नरा ॥ चिवनक ॥ मीस ॥ यतगुरु ॥ अजीर्णनाग ॥ ॥ चितक ॥ व ॥ छुति
 यियनि ॥ यान स्यन् ॥ कर्षकायाल ॥ हनउ ॥ साराग ॥ मीस ॥ स्रष्ट ॥ सुयस्यरागस ॥ ३३
 करागदयकी ॥ छसीलद ॥ क्षास कागनाग ॥ ॥ कवजिजट ॥ ग्वउ ॥ म नचमीस ॥ य

आजीव

[illegible]

पुनः प्रकाश

स्यन्धु चूनयादन यतस्याललिम्बा ॥ ॥ दिगुमस ३५ कलामुल्लग्न तुलसमं नदन
उगस्यन्धुश्च उविशसुवाकलशयियल्लिग्न तुल्लिग्नयुमनिग्न धुनचूनयादनस्य यतस्या
ल्ल वचनलिम्बा ॥ ॥ धुनयतस्याकया ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ गुठिजमलयाय वचनवीज ॥
सिद्धाटक वाच मसु ॥ तुल्लिग्नसराग धनितीसरास्यत्वदः समुदर्थं कदवयादव ॥
गिनिरुन गल्लुमसु नवद सरागकाकल्लखसरास्यत्वदः यिल्लेकनदल्लजवकलि ॥
वतकदा ॥ धान ॥ तुल्लवाकल यियल्लि ॥ सरागकाकल्लखसरास्यत्वदः वातनदल्ल
जवक ॥ ॥ यियल्लि तुल्लवाकल जिनि स्यन्धु ॥ वचनवीज ॥ साखन सराग कसि

५६१५

[illegible]

新

[illegible]

विकिसाक्षा॥ ॥ विठसयुः शिरुलाः पियलिः सरागः पुनयादः कस्मिन् बाले
 नर्कः वानकया किमिना॥ ॥ यनासवीजः युमनिः नर्कत्वं किमिना॥ ॥
 मयुनसिखाः हावेतुः नर्कत्वं किमिना॥ ॥ प्रादित्वाः हनउः कस्मिन् गाम
 तिस्र बालनर्कः लूराः अत्यथाय किमिना॥ ॥ ॐ नमः १५ नु यनमरुद्वा निक
 ॐ कुं कुं हं कथनिश्चुद निश्माखनिश् किमिमानल उं हं रुट ॥ ॥ धमकुनः यतस
 जयनर्क कीमिना॥ ॥ विठमः पियनिः स्ववाकलः हिं हं वृन्दुज वधत सरा
 गः वृत्तयादः कस्मिन् बालनः मिस्र किमिनय नस्यालः काद लदवः वानकज्ञन

साः नकर्मसः धमज्ञना॥ ॥ धन किमिया॥ ॥ वातावकु गतानातिः चय
 नापिरु वादित्वाः किनाः धूमवतिनातिः विविधं रुदिदायम॥ ॥ वातनातिः
 वक्रज्ञयः पिरुनातिः चार्थनिवः धूमनातिः धिननसनिवः ईदनातिः नता २
 लकृलदयिव॥ ॥ रिदायनातिः विविधिः दुवसद्गायाथः वदनयिव॥ ॥ धानाय
 सनीः धननाति विवालयथा॥ ॥ यासु नागमगायः वानपिरु कदसियाः व
 दुर्थसान्निवागनः यश्चमारुकयमद॥ ॥ यलुनागः धदागाधयावातः पिरुः ध
 धनः धान्निवागनः वानयावज्ञवः यासुनाग॥ ॥ कामलयासु नागयाविकिस